

---

# Munayah Krita Shiva Stuti

——  
मुनिभिः कृता शिवस्तुतिः

——  
Document Information



---

Text title : Munayah Krita Shiva Stuti

File name : munibhiHkRRitAshivastutiH.itx

Category : shiva, shivarahasya, stuti

Location : doc\_shiva

Transliterated by : Ruma Dewan

Proofread by : Ruma Dewan

Description/comments : shivarahasyam | harAkhyah tRitIyAMshaH | uttarArdham | adhyAyaH 24  
| 83-89 ||

Latest update : January 30, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

July 28, 2025

*sanskritdocuments.org*

---



---

## Munayah Krita Shiva Stuti

——  
मुनिभिः कृता शिवस्तुतिः



महादेव देवादिदेवादिदेव प्रसीद प्रसीद प्रसीद प्रसीद ।

प्रसीद प्रसीद प्रसीद प्रसीद प्रसीद प्रभो यन्द्रमौले प्रसीद ॥ ८३ ॥

अनाथैकनाथस्त्वमेको मलेश स्मरारे पुरस्तादधस्ताथ्य पश्चात् ।

त्वमेवासि पार्श्वेऽपि पश्य प्रसीद स्मरन्तं भवन्तं कृतान्तान्तकं त्वाम् ॥ ८४ ॥

भवन्तं विनान्यं न जाने न जाने मतिस्त्वं गतिस्त्वं पतिस्त्वं मलेश ।

पितापि त्वमेवेन्दुमौलेकमीडे भवन्तं विना कोऽपि नेज्योऽपि लोके ॥ ८५ ॥

मदङ्गं य तुङ्गेन लिङ्गेन सङ्गं भवन्तं परं प्राप्नुमेवेति मन्ये ।

छंदं भिल्वपत्रावृतं लिङ्गमीश समस्तार्थदानोद्यतं सर्वदापि ॥ ८६ ॥

प्रपश्यामि तुङ्गानि लिङ्गान्यभङ्गान्यपाराणि तद्दर्शनेनैव मुक्तिः ।

भवित्री ममेशान नूनं न याये न याये न यान्यत्र वाञ्छा कुतः स्यात् ॥ ८७ ॥

न येन्द्रादिलोकेषु वाञ्छा मलेश स्मरारे भवत्याद्यपने शपामि ।

निधिं प्राप्य को वा मुहुः कायप्लवङ्गं स्वतुङ्गेन गृह्णाति यद्दालवृत्तिः ॥ ८८ ॥

दृढा भक्तिरीशानपादारविन्दे ममास्त्वस्तु नित्यं ममास्त्वस्तु सा मे ।

समर्था छि धर्मार्थकामप्रदाने तथा मोक्षदाने समर्था मलेश ॥ ८९ ॥

॥ छति शिवरुडस्थान्तर्गते मुनिभिः कृता शिवस्तुतिः सम्पूर्णा ॥

- ॥ श्रीशिवरुडस्थम् । उरण्यः तृतीयांशः । उत्तरार्धम् । अध्यायः २४ । ८३-८९ ॥

- .. shrIshivarahasyam . harAkhyah tRRitIyAMshaH . uttarArdham . adhyAyaH 24. 83-89

..

Proofread by Ruma Dewan

---

——  
*Munayah Krita Shiva Stuti*

pdf was typeset on July 28, 2025

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

